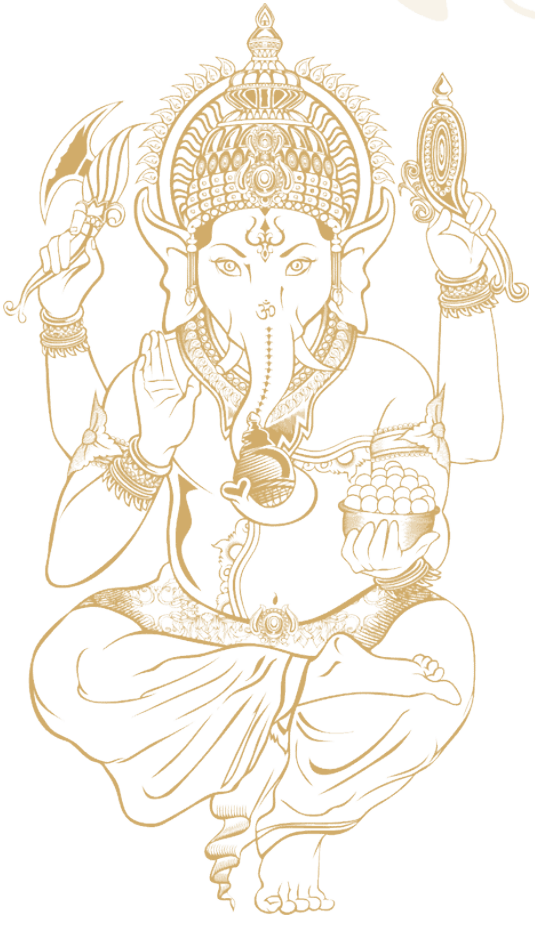

Mr.chandrakant

Ms.kanchan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120685002

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
27/04/1995 :	जन्म तिथि	:	27/08/1997
गुरुवार :	दिवस	:	बुधवार
कला 23:30:00 :	जन्म समय	:	10:35:00 कला
घटी 43:35:34 :	जन्म समय(घटी)	:	10:54:38 घटी
India :	देश	:	India
Dhullia :	स्थान	:	Burhanpur
20:53:00 उत्तर :	अक्षांश	:	21:18:00 उत्तर
74:50:00 पूर्व :	रेखांश	:	76:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:30:40 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:25:28 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
06:03:46 :	सूर्योदय	:	06:07:35
18:53:25 :	सूर्यास्त	:	18:45:59
23:47:39 :	लाहिरी अयनांश	:	23:49:25

विंशोत्तरी
बुध 11वर्ष 6मा 19दि
शुक्र
15/11/2013
15/11/2033

शुक्र	16/03/2017
रवि	16/03/2018
चन्द्र	15/11/2019
मंगळ	14/01/2021
राहु	15/01/2024
गुरु	15/09/2026
शनि	15/11/2029
बुध	14/09/2032
केतु	15/11/2033

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	16:04:18
सूर्य	मेष	13:12:59
चंद्र	मीन	20:56:22
मंगळ	कर्क	25:19:25
बुध	मेष	27:34:54
गुरु	वृश्चि	20:32:28
शुक्र	मीन	12:56:34
शनि	कुंभ	27:14:38
राहु	तुला	11:48:37
केतु	मेष	11:48:37
हर्ष	मक	06:39:22
नेप	मक	01:45:22
प्लूटो	वृश्चि	06:02:50

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	11:05:08
सूर्य	सिंह	10:08:45
चंद्र	मिथु	05:36:00
मंगळ	तुला	14:14:17
बुध	सिंह	18:18:57
गुरु	मक	20:57:34
शुक्र	कन्या	17:33:19
शनि	मीन	25:59:20
राहु	सिंह	26:01:20
केतु	कुंभ	26:01:20
हर्ष	मक	11:47:58
नेप	मक	03:49:39
प्लूटो	वृश्चि	09:03:26

विंशोत्तरी
मंगळ 0वर्ष 6मा 21दि
गुरु
19/03/2016
19/03/2032

गुरु	07/05/2018
शनि	17/11/2020
बुध	23/02/2023
केतु	30/01/2024
शुक्र	30/09/2026
रवि	19/07/2027
चन्द्र	17/11/2028
मंगळ	24/10/2029
राहु	19/03/2032

लग्न–चलित

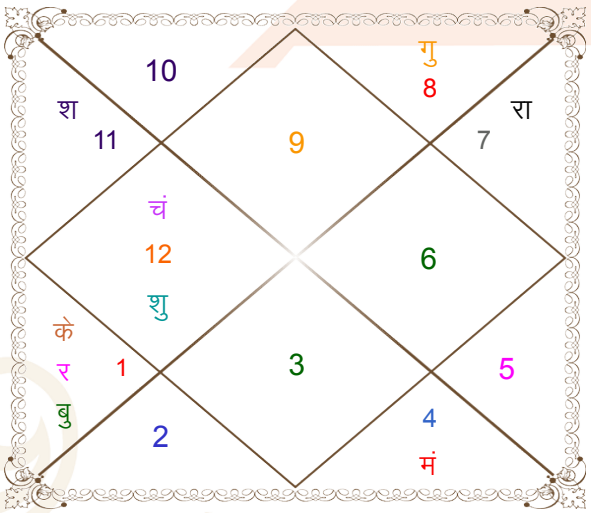

लग्न–चलित

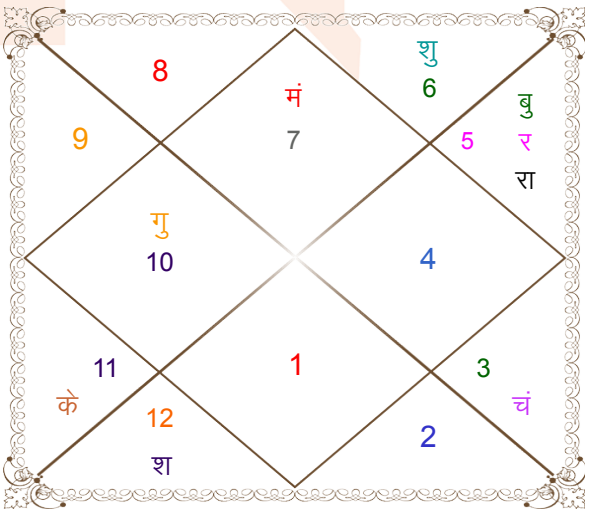

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	––	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	––	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**27.00**		

Mr.chandrakant का वर्ग सर्प है तथा Ms.kanchan का वर्ग मांजर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.chandrakant और Ms.kanchan का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.chandrakant मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्ट् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.chandrakant कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.kanchan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.kanchan कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.chandrakant कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.chandrakant तथा Ms.kanchan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।